पाठ १८ हम अनेक किंतु एक

कविता का सारांश

यह कविता भारत की विविधता और एकता को दर्शाती है। कवि कहना चाहते हैं कि भारत में भले ही कई प्रदेश, भाषाएँ, और संस्कृतियाँ हों,

लेकिन हम सब एक ही देश के नागरिक हैं और हमारा लक्ष्य भी एक ही है।

विविधता:

- भारत में अनेक प्रदेश हैं, हर प्रदेश की अपनी संस्कृति, भाषा और वेशभूषा है।
- हजारों बोलियाँ, हजारों टोलियाँ, अनेक कंठ और अनेक राग हैं।

एकता:

- इन सब विविधताओं के बावजूद, हम सब एक ही देश, भारत के अंग हैं।
- हम सबकी मातृभूमि और पितृभूमि एक ही है।
- हम सब भारतीय हैं और मिलकर लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

कवि का संदेश:

- हमें अपनी विविधता पर गर्व होना चाहिए।
- हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और मिलजुलकर रहना चाहिए।
- हमें मिलकर भारत को एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाना चाहिए।

यह कविता हमें यह सिखाती है कि एकता में शक्ति होती है। हमें अपनी विविधताओं को अपना गौरव समझना चाहिए और मिलकर भारत को एक बेहतर देश बनाने का प्रयास करना चाहिए।

शब्दार्थ

प्रदेश	:	क्षेत्र, इलाका	**कंठ**	:	स्वर, आवाज
किंतु	:	परंतु, मगर, लेकिन	**राग**	:	सुर
बोलियाँ:	भाषा		**कदम**	:	पैर, चाल
विविध	:	अनेक, विभिन्न, भिन्न	**लक्ष्य**	:	उद्देश्य, ध्येय, निशाना, मंजिल
वेश	:	वस्त्र, पोशाक, परिधान, भेष	**समक्ष**	:	सामने, उपस्थित, सन्मुख

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. आप किस देश में रहते हैं? आपका प्रदेश कौन-सा है?

उत्तर:- हम भारत देश में रहते हैं। हम गुजरात में रहते हैं।

2. आपके घर में कौन-सी भाषा बोली जाती है?

उत्तर:- मेरे घर में गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी भाषा बोली जाती हैं।

3. आपके घर के आस-पास के लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?

उत्तर:- मेरे घर के आस-पास पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, भोजपुरी, उड़िया, सिंधी, मराठी आदि भाषा बोलने वाले लोग हैं।

4. सभी प्रदेश अलग हैं, लेकिन सबका देश एक है। आपकी मित्रों की टोली में कौन-कौन हैं?

उत्तर:- मेरे मित्रों की टोली में पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, सिंधी, मराठी हैं।

सोचिए और लिखिए

1. 'हम अनेक हैं किंतु एक हैं' उदाहरण देकर इस बात को समझाइए।

उत्तर:- कविता में "हम अनेक हैं किंतु एक हैं" का भाव भारत की विविधता में एकता को दर्शाता है। इसका मतलब है कि भले ही भारत में कई प्रदेश, विभिन्न भाषाएं, धर्म, रीति-रिवाज और संस्कृतियाँ हैं, फिर भी हम सब एक राष्ट्र के नागरिक हैं और एक ही मातृभूमि और पितृभूमि का हिस्सा हैं।

2. कविता में भारत के विविध रूप-रंग के बारे में बताया गया है। विविध रूप-रंग का क्या अर्थ है?

उत्तर:- "विविध रूप-रंग" का अर्थ है भारत में अनेक भाषाएँ, धर्म, संस्कृतियाँ हैं, पर हम सब एक राष्ट्र, एक संविधान और एक तिरंगे के नीचे एकजुट हैं। यह विविधता भारत को एक समृद्ध और जीवंत देश बनाती है।

3. 'चल रहे मिला कदम' इस पंक्ति में किनके कदम मिलाकर चलने की बात कही गई है?

उत्तर:- 'चल रहे मिला कदम' इस पंक्ति में भारत के सभी नागरिक मिलकर देश की प्रगति और विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

शब्दों का खेल

1. कविता से समान ध्वनि वाले शब्द छाँटकर लिखिए-

प्रदेश	**=**	देश, वेश	**हम**	**=**	कदम
रंग	**=**	अंग	**बोलियाँ=**		टोलियाँ

2. समान ध्वनि वाले कुछ शब्द अपने मन से लिखिए-

बोली	**=**	झोली	मोली	खोली	टोली
एक	**=**	नेक	मेक	लेक	टेक
राग	**=**	जाग	नाग	दाग	साग

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

3. भूमि शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए-

रणभूमि पितृभूमि मातृभूमि देवभूमि

समझिए और लिखिए

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

हैं कई प्रदेश के,
किंतु एक देश के,
विविध रूप-रंग हैं,
भारत के अंग हैं।
भारतीय वेश एक
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
टोलियाँ हजार हैं,
कंठ भी अनेक हैं,
राग भी अनेक हैं,
किंतु गीत-बोल एक
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
एक पितृभूमि है,
एक भारतीय हम
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
हम अनेक किंतु एक।

2. सही अर्थ की जोड़ी बनाकर लिखिए-

कंठ	**वेश-भूषा**	=	गला
पहनावा	**सामने**	=	वेश-भूषा
विविध	**गला**	=	कई प्रकार के
समक्ष	**कई प्रकार के**	=	सामने

3. सही अर्थ वाले वाक्य पर सही () का चिह्न लगाइए-

(क) 'भारतीय वेश एक' का अर्थ है

- **सभी भारतीयों का एक हि पहनावा है।** ☐
- **भारत में अनेक प्रकार की वेश-भूषा है, लेकिन अभी भारतीय एक हैं।** ✓

(ख) 'बोलियाँ हजार हैं' में हजार का अर्थ है

- **बहुत सारी बोलियाँ हैं।** ✓
- **हजार बोलियाँ हैं।** ☐

पढ़िए और जानिए

चित्र आधारित प्रश्न

1. मणिपुर की अथोइबी को खाने में क्या पसंद है?

उत्तर:- मणिपुर की अथोइबी को खाने में एरोम्बा पसंद है।

2. महाराष्ट्र की पूर्वा कौन-सी भाषा बोलती है?

उत्तर:- महाराष्ट्र की पूर्वा मराठी भाषा बोलती है।

3. तमिलनाडू के वेंकट को खाने में क्या पसंद है?

उत्तर:- तमिलनाडू के वेंकट को खाने में इडली सांभर पसंद है।

4. गुजरात की हंसा को कौन-सा नृत्य पसंद है?

उत्तर:- गुजरात की हंसा को गरबा-डांडिया नृत्य पसंद है।

www.onepointlearning.com